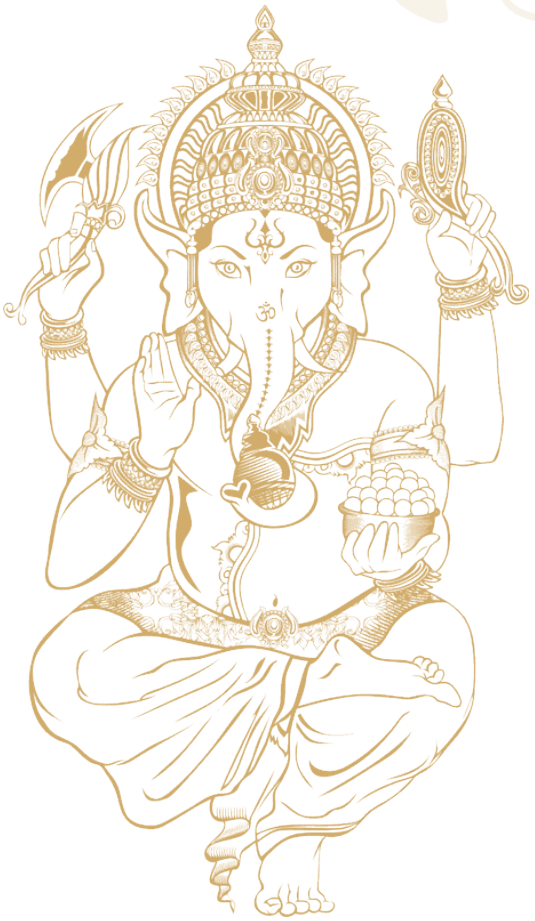

Vikas

Sarita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121640603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/03/1974	जन्म तिथि	05/08/1974
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	20:15:00 घंटे
घटी 09:54:29	जन्म समय(घटी)	36:23:42 घटी
India	देश	India
Jagadhri	स्थान	Karnal
30:11:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:12	सूर्योदय	05:43:38
18:35:58	सूर्यास्त	19:12:02
23:30:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:30:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 5वर्ष 5मा 15दि	24:33:15	वृष	लग्न	कुंभ	10:55:37	राहु 5वर्ष 3मा 0दि
गुरु	12:38:28	मीन	सूर्य	कर्क	19:17:23	बुध
10/09/2020	23:01:40	मेष	चंद्र	कुंभ	16:06:34	05/11/2014
10/09/2036	22:16:46	वृष	मंगल	सिंह	12:09:23	06/11/2031
गुरु 29/10/2022	15:09:06	कुंभ	बुध	कर्क	06:44:15	बुध 03/04/2017
शनि 11/05/2025	10:46:56	कुंभ	गुरु व	कुंभ	23:02:03	केतु 31/03/2018
बुध 17/08/2027	26:29:22	मक	शुक्र	मिथु	25:05:45	शुक्र 29/01/2021
केतु 23/07/2028	04:58:13	मिथु	शनि	मिथु	19:23:09	सूर्य 06/12/2021
शुक्र 24/03/2031	28:52:05	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	24:20:55	चन्द्र 07/05/2023
सूर्य 10/01/2032	28:52:05	वृष व	केतु व	वृष	24:20:55	मंगल 03/05/2024
चन्द्र 11/05/2033	03:04:49	तुला व	हर्ष	तुला	00:40:08	राहु 21/11/2026
मंगल 17/04/2034	16:03:11	वृश्चि व	नेप व	वृश्चि	13:23:14	गुरु 26/02/2029
राहु 10/09/2036	11:57:10	कन्या व	प्लूटो	कन्या	11:16:35	शनि 06/11/2031

लग्न-चलित

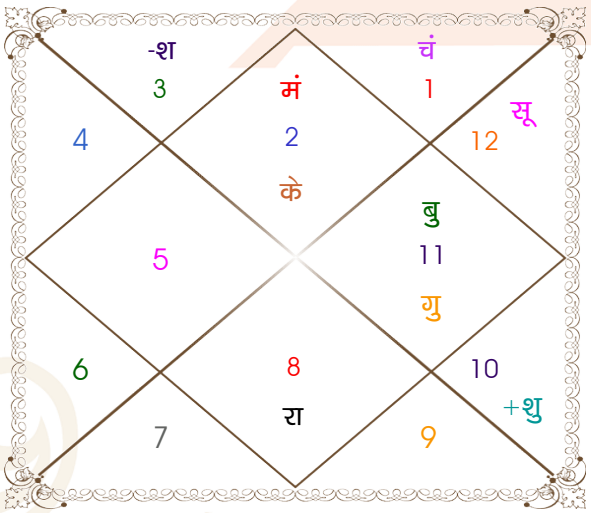

लग्न-चलित

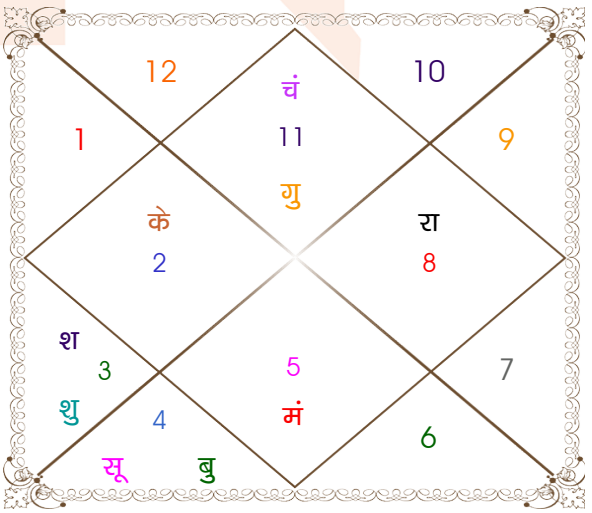

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

टपों का वर्ग मृग है तथा ैतपजं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपों और ैतपजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टपों मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

ैतपजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ैतपजं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टपों कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपों तथा ैतपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।